

Text Scan Input Form - Title Page

TBRC Volume Number	3883
TBRC Work Number (W)	6457
Title	ཁལ་ཁ་བྲག་ཟི་དམ་ཆོག་རྫོང་ཡུལ་གསུང་འདུས་
	gsung 'bum / dam tshig rdo rje
Author	བྲག་ཟི་དམ་ཆོག་རྫོང་
	dam tshig rdo rje grags pa dpal
Descriptor	reproduced from an often unclear set of the blocks from mongolia; only copy known to exist
Original Publication	
Place	[lan kru'u]
Publisher	[nub byang mi rigs slob grwa chen mo]
Date	[2000?]
Total Volumes	21
Current Volume (of Total)	16
Number of TBRC Introductory Pages	2
Number of Introductory Pages	
Number of Text Pages	492
TBRC Scanning Information	scanned at the tibetan buddhist resource center, 115 5th ave., 7th floor. new york city, ny 10003 2004

Surrogate Cataloging Record

Khal kha dam tshig rdo rje'i gsung 'bum

Control Number: W6457

Type of Material: Book (Print, Microform, Electronic, etc.)

Personal Name: Dam-tshig-rdo-rje, Brag-ri. 1781-1855

Main Title: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum.

Edition Information: Reproduced from an unclear set of prints from the Urga blocks

Published/Created: [Lan kru'u : Nub byang mi rigs slob grwa chen mo]

Related Titles: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum bzhugs so

Description: 21 v.

Notes: In Tibetan

LC Classification: BQ7550 +

Geog. Area Code: a-cc-ti a-cc-im

CALL NUMBER: BQ7550 +



पञ्चाङ्गसंस्कारस्य विधानम् ॥ १ ॥

10-1

ॐ । त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्तव्यो भवतु कर्मणः । मा कश्चिद् गमयतु मम । ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवदेवस्य भगवतः श्रीकृष्णस्य भक्त्या प्रपन्नोऽहं ।
तुमहे भगवन् । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं ।
त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं ।
त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं ।
त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं । त्वत्पदं मे भक्त्या प्रपन्नं ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७। इति नमो भगवते वासुदेवाय । अथ कुरुक्षेत्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ।

[illegible]

2022-23 - 22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभक्त्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशभक्त्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णुभक्त्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवभक्त्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्मभक्त्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहादेवभक्त्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणभक्त्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

1716

14 18

ॐ
१२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

榮華富貴

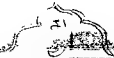
[illegible]

४५. स. वि. वि. वि. वि.

[illegible]

दशमेऽध्यायः

1/2



॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥

॥ ७ ॥

॥ ८ ॥

॥ ९ ॥

॥ १० ॥

॥ ११ ॥

॥ १२ ॥

॥ १३ ॥

॥ १४ ॥

॥ १५ ॥

॥ १६ ॥

॥ १७ ॥

॥ १८ ॥

॥ १९ ॥

॥ २० ॥

॥ २१ ॥

॥ २२ ॥

॥ २३ ॥

॥ २४ ॥

॥ २५ ॥

॥ २६ ॥

॥ २७ ॥

॥ २८ ॥

॥ २९ ॥

॥ ३० ॥

॥ ३१ ॥

॥ ३२ ॥

॥ ३३ ॥

॥ ३४ ॥

॥ ३५ ॥

॥ ३६ ॥

॥ ३७ ॥

॥ ३८ ॥

॥ ३९ ॥

॥ ४० ॥

॥ ४१ ॥

॥ ४२ ॥

॥ ४३ ॥

॥ ४४ ॥

॥ ४५ ॥

॥ ४६ ॥

॥ ४७ ॥

॥ ४८ ॥

॥ ४९ ॥

॥ ५० ॥

॥ ५१ ॥

॥ ५२ ॥

॥ ५३ ॥

॥ ५४ ॥

॥ ५५ ॥

॥ ५६ ॥

॥ ५७ ॥

॥ ५८ ॥

॥ ५९ ॥

॥ ६० ॥

॥ ६१ ॥

॥ ६२ ॥

॥ ६३ ॥

॥ ६४ ॥

॥ ६५ ॥

॥ ६६ ॥

॥ ६७ ॥

॥ ६८ ॥

॥ ६९ ॥

॥ ७० ॥

॥ ७१ ॥

॥ ७२ ॥

॥ ७३ ॥

॥ ७४ ॥

॥ ७५ ॥

॥ ७६ ॥

॥ ७७ ॥

॥ ७८ ॥

॥ ७९ ॥

॥ ८० ॥

॥ ८१ ॥

॥ ८२ ॥

॥ ८३ ॥

॥ ८४ ॥

॥ ८५ ॥

॥ ८६ ॥

॥ ८७ ॥

॥ ८८ ॥

॥ ८९ ॥

॥ ९० ॥

॥ ९१ ॥

॥ ९२ ॥

॥ ९३ ॥

॥ ९४ ॥

॥ ९५ ॥

॥ ९६ ॥

॥ ९७ ॥

॥ ९८ ॥

॥ ९९ ॥

॥ १०० ॥

卷八

[illegible]

[illegible]

संज्ञा : साक्ष्य संज्ञा

291

[illegible]

3

[illegible]

प्रधा • मन्त्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from another page.]

12

॥ अथ यथा देवर्षिर्वाच ॥ यथा देवर्षिर्वाच ॥ यथा देवर्षिर्वाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

[illegible]

11

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

1/2 184



999

[illegible]

100

54

5

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

[illegible]

[illegible]

199

[illegible]

[illegible]

٤٩

[illegible]

[illegible]

75

[illegible]

6

[illegible]

1001

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र शिष्यः ।
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः पांडव-
 भीमार्जुनसमा । मां धर्मराज संश्रितम् ।
 त्सर्वज्ञो भवानाह मे भूतविभूतिभिः ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता यामहा-
 रथाः ॥ १ ॥ पांडवो मया बध्नुः प्रिय-
 ज्ञान । त्वं हि मामका वीर्यवान् ।
 महाबाहो बभूवुः पराक्रमैः सह ।
 सैन्यं च मया विनाशय ॥ २ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

921

[illegible]

[illegible]

99

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतस्य प्रथमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

19

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

٤٩

[illegible]

[illegible]

14

[illegible]

三

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

3421

[illegible]

[illegible]

199

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

67

991

[illegible]

[illegible]

தேவநாபுரி

[illegible]

[illegible]

۱۹۹۲

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

प्रदुष्टाग्निर्वह्निर्वायुश्चैव त्रैलोक्यं पश्येत्स्वप्नो ब्रह्मणोऽर्चनं ।
वक्त्रं ध्यात्वा च त्रैलोक्यं पश्येत्स्वप्नो ब्रह्मणोऽर्चनं ।
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्योऽष्टमोऽध्यायः ॥ १८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता
एवमहो भूतानि ॥ १ ॥ अस्मिन् युद्धे प्राणां त्यज्यमानेषु भूतानि
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ २ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ३ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ४ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ५ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ६ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ७ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ८ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ९ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १० ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ ११ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १२ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १३ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १४ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १५ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १६ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १७ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १८ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ १९ ॥
अहो भूतानि धर्माणां कुरुक्षेत्रे समवेता एवमहो भूतानि ॥ २० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

[illegible]

21721

99

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डवाश्चैव ततः परः ॥ १ ॥

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

24



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible][illegible][illegible]

གསལ་བདེ་མིན་རྒྱུ་ཡིག་སྐོར་ལས་པུའོག་པར་མཛོད་ཅིག། ཅེས་པ་རྟོན།

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन् मधुसूदन ।
 तस्मात्तवाग्र्यमुपविश्य राजा युधिष्ठिरम् ब्रवीमि ह ।

[illegible]

5

[illegible]

[illegible]

25

1991

[illegible]

[illegible]

25

991

[illegible]

[illegible]

62

[illegible]

19 ()

[illegible]

ଉତ୍ତରୀୟ

199

[illegible]

[illegible]

৬.৭০%

99

[illegible]

[illegible]

2014

991

[illegible]

[illegible]

७७। [1]
 [1] [2]
 [2] [3]
 [3] [4]
 [4] [5]
 [5] [6]
 [6] [7]
 [7] [8]
 [8] [9]
 [9] [10]
 [10] [11]
 [11] [12]
 [12] [13]
 [13] [14]
 [14] [15]
 [15] [16]
 [16] [17]
 [17] [18]
 [18] [19]
 [19] [20]
 [20] [21]
 [21] [22]
 [22] [23]
 [23] [24]
 [24] [25]
 [25] [26]
 [26] [27]
 [27] [28]
 [28] [29]
 [29] [30]
 [30] [31]
 [31] [32]
 [32] [33]
 [33] [34]
 [34] [35]
 [35] [36]
 [36] [37]
 [37] [38]
 [38] [39]
 [39] [40]
 [40] [41]
 [41] [42]
 [42] [43]
 [43] [44]
 [44] [45]
 [45] [46]
 [46] [47]
 [47] [48]
 [48] [49]
 [49] [50]
 [50] [51]
 [51] [52]
 [52] [53]
 [53] [54]
 [54] [55]
 [55] [56]
 [56] [57]
 [57] [58]
 [58] [59]
 [59] [60]
 [60] [61]
 [61] [62]
 [62] [63]
 [63] [64]
 [64] [65]
 [65] [66]
 [66] [67]
 [67] [68]
 [68] [69]
 [69] [70]
 [70] [71]
 [71] [72]
 [72] [73]
 [73] [74]
 [74] [75]
 [75] [76]
 [76] [77]
 [77] [78]
 [78] [79]
 [79] [80]
 [80] [81]
 [81] [82]
 [82] [83]
 [83] [84]
 [84] [85]
 [85] [86]
 [86] [87]
 [87] [88]
 [88] [89]
 [89] [90]
 [90] [91]
 [91] [92]
 [92] [93]
 [93] [94]
 [94] [95]
 [95] [96]
 [96] [97]
 [97] [98]
 [98] [99]
 [99] [100]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जविरचिते श्रमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1621

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

160

[illegible]

रवि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2015

[illegible]

[illegible]

۱۵۹

[illegible]

[illegible]

Л

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

165
[The text in this block is extremely faint and mostly illegible. It appears to be a continuation of the Tibetan text from the previous block, written in a cursive script. Some characters are visible, but the overall content cannot be accurately transcribed.]

[illegible]

八、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखदिवसः

102

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७
82

[illegible]

७९

मङ्गलमस्तु नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ २ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ३ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ४ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ५ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ६ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ७ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ८ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ ९ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्द उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

191

[illegible]

25-7321

32

[illegible]

[illegible]

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ	ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ	ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ	
	ॐ	ॐ	ॐ
	ॐ	ॐ	ॐ
	ॐ	ॐ	ॐ
	ॐ	ॐ	ॐ

1991

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

6455

མཛེས་ལྷན་སྐྱེས་པ་འདི་དེས་མཛེས་ལྷན་སྐྱེས་པ་

सुखद

सोमसदकुपसोमोमयसोमगोसागमुदसायमात्रिसागपुनकुपसोमद्वय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

སྒོ་ཤིང་གཙུག་པོར་བཞུགས་ནས་དགེ་ལཱ་དང་ཁྲིམ་དང་ཐུགས་ཀྱི་ཕྱི་སྒྲུབ་པ་

सिद्धिः प्राप्तः

पारमेश्वरदेवैर्दत्तवस्तुनन्देष्टुसता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखं हि जगत्सर्वं

དེ་མཆིག་ཅུང་པོ་ལ་ཚོས་ཀྱི་གྲོགས་པ་མ་མཛད་ཀྱིས་ལུས་ཀྱི་ཆུ་ལྟ་བུ་འཛིན་ཅུ་ལུགས་པ་མ་མཛད་ཅོང་།

ब्रह्मचर्यस्य फलं ब्रह्म

॥ १७० ॥

५१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

इति श्रीमद्वाल्मीकिरचिते रामायणे अष्टमोऽध्यायः ॥

དེའི་ཕ་རྒྱུ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་ལྟ་བུ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཕྱིན་པ་ལས་ཕྱིན་པ་ལྟར་།

མཉམ་པུ་ལྟར་ལྟར་།

མཉམ་པུ་ལྟར་ལྟར་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་ལྟར་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་ལྟར་ལྟར་།

དེ་སྐབས་དེ་ལྟར་ལྟར་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་ལྟར་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

ཕྱིན་པ་ལྟར་།

1991

विष्णुर्ब्रह्मविष्णुर्माया॥

[illegible]

५५॥

[illegible][illegible]

|| སྐལ་བཟང་མཆོད་གསུམ་པོ་འཁོར་བ་མཛེས་པ་ཡན་ཤིང་། དཀར་དུ་ཕུག་པའི་སྒྲིབ་པ་ལྷན་ཅིང་། རྩེ་མོ་དེ་ལྟར་།

[illegible]

ཕྱིར་སྐྱོད་ཀྱི་དུང་དེར་མཛད་བྱའགྲུབ་ལེན་གྱི་དཔེ་མཁན་ཡོད།

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

॥ १५ ॥ बुद्धस्य चरणस्य पदं पश्यन्तं भवति ॥ १५ ॥

འཕགས་པ་ཉུ་པ་ལྷོ་མ་མཐའ་དཔེ་ཆ་བཤད་པ་ལྟར་རྒྱ་མཚུངས་པ་དཔྱད་

ཅེས་པ་ཡང་ལྟ་བུ་ཅི་ཡང་མེད་པ་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་ལྟར་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

Ly Ky

ॐ

ॐ

॥ दस्य दस्ये रवे वदे सहे न य मदे क पवे सुदहे न पुहु न प्री य न हु र ह न स म व ह न स रवे ॥

25

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

Ly By

[illegible]

65

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ३७ ॥ । ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Tibetan script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

16年

750

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

168

168। 169। 170। 171। 172। 173। 174। 175। 176। 177। 178। 179। 180। 181। 182। 183। 184। 185। 186। 187। 188। 189। 190। 191। 192। 193। 194। 195। 196। 197। 198। 199। 200। 201। 202। 203। 204। 205। 206। 207। 208। 209। 210। 211। 212। 213। 214। 215। 216। 217। 218। 219। 220। 221। 222। 223। 224। 225। 226। 227। 228। 229। 230। 231। 232। 233। 234। 235। 236। 237। 238। 239। 240। 241। 242। 243। 244। 245। 246। 247। 248। 249। 250। 251। 252। 253। 254। 255। 256। 257। 258। 259। 260। 261। 262। 263। 264। 265। 266। 267। 268। 269। 270। 271। 272। 273। 274। 275। 276। 277। 278। 279। 280। 281। 282। 283। 284। 285। 286। 287। 288। 289। 290। 291। 292। 293। 294। 295। 296। 297। 298। 299। 300। 301। 302। 303। 304। 305। 306। 307। 308। 309। 310। 311। 312। 313। 314। 315। 316। 317। 318। 319। 320। 321। 322। 323। 324। 325। 326। 327। 328। 329। 330। 331। 332। 333। 334। 335। 336। 337। 338। 339। 340। 341। 342। 343। 344। 345। 346। 347। 348। 349। 350। 351। 352। 353। 354। 355। 356। 357। 358। 359। 360। 361। 362। 363। 364। 365। 366। 367। 368। 369। 370। 371। 372। 373। 374। 375। 376। 377। 378। 379। 380। 381। 382। 383। 384। 385। 386। 387। 388। 389। 390। 391। 392। 393। 394। 395। 396। 397। 398। 399। 400। 401। 402। 403। 404। 405। 406। 407। 408। 409। 410। 411। 412। 413। 414। 415। 416। 417। 418। 419। 420। 421। 422। 423। 424। 425। 426। 427। 428। 429। 430। 431। 432। 433। 434। 435। 436। 437। 438। 439। 440। 441। 442। 443। 444। 445। 446। 447। 448। 449। 450। 451। 452। 453। 454। 455। 456। 457। 458। 459। 460। 461। 462। 463। 464। 465। 466। 467। 468। 469। 470। 471। 472। 473। 474। 475। 476। 477। 478। 479। 480। 481। 482। 483। 484। 485। 486। 487। 488। 489। 490। 491। 492। 493। 494। 495। 496। 497। 498। 499। 500। 501। 502। 503। 504। 505। 506। 507। 508। 509। 510। 511। 512। 513। 514। 515। 516। 517। 518। 519। 520। 521। 522। 523। 524। 525। 526। 527। 528। 529। 530। 531। 532। 533। 534। 535। 536। 537। 538। 539। 540। 541। 542। 543। 544। 545। 546। 547। 548। 549। 550। 551। 552। 553। 554। 555। 556। 557। 558। 559। 560। 561। 562। 563। 564। 565। 566। 567। 568। 569। 570। 571। 572। 573। 574। 575। 576। 577। 578। 579। 580। 581। 582। 583। 584। 585। 586। 587। 588। 589। 590। 591। 592। 593। 594। 595। 596। 597। 598। 599। 600। 601। 602। 603। 604। 605। 606। 607। 608। 609। 610। 611। 612। 613। 614। 615। 616। 617। 618। 619। 620। 621। 622। 623। 624। 625। 626। 627। 628। 629। 630। 631। 632। 633। 634। 635। 636। 637। 638। 639। 640। 641। 642। 643। 644। 645। 646। 647। 648। 649। 650। 651। 652। 653। 654। 655। 656। 657। 658। 659। 660। 661। 662। 663। 664। 665। 666। 667। 668। 669। 670। 671। 672। 673। 674। 675। 676। 677। 678। 679। 680। 681। 682। 683। 684। 685। 686। 687। 688। 689। 690। 691। 692। 693। 694। 695। 696। 697। 698। 699। 700। 701। 702। 703। 704। 705। 706। 707। 708। 709। 710। 711। 712। 713। 714। 715। 716। 717। 718। 719। 720। 721। 722। 723। 724। 725। 726। 727। 728। 729। 730। 731। 732। 733। 734। 735। 736। 737। 738। 739। 740। 741। 742। 743। 744। 745। 746। 747। 748। 749। 750। 751। 752। 753। 754। 755। 756। 757। 758। 759। 760। 761। 762। 763। 764। 765। 766। 767। 768। 769। 770। 771। 772। 773। 774। 775। 776। 777। 778। 779। 780। 781। 782। 783। 784। 785। 786। 787। 788। 789। 790। 791। 792। 793। 794। 795। 796। 797। 798। 799। 800। 801। 802। 803। 804। 805। 806। 807। 808। 809। 810। 811। 812। 813। 814। 815। 816। 817। 818। 819। 820। 821। 822। 823। 824। 825। 826। 827। 828। 829। 830। 831। 832। 833। 834। 835। 836। 837। 838। 839। 840। 841। 842। 843। 844। 845। 846। 847। 848। 849। 850। 851। 852। 853। 854। 855। 856। 857। 858। 859। 860। 861। 862। 863। 864। 865। 866। 867। 868। 869। 870। 871। 872। 873। 874। 875। 876। 877। 878। 879। 880। 881। 882। 883। 884। 885। 886। 887। 888। 889। 890। 891। 892। 893। 894। 895। 896। 897। 898। 899। 900। 901। 902। 903। 904। 905। 906। 907। 908। 909। 910। 911। 912। 913। 914। 915। 916। 917। 918। 919। 920। 921। 922। 923। 924। 925। 926। 927। 928। 929। 930। 931। 932। 933। 934। 935। 936। 937। 938। 939। 940। 941। 942। 943। 944। 945। 946। 947। 948। 949। 950। 951। 952। 953। 954। 955। 956। 957। 958। 959। 960। 961। 962। 963। 964। 965। 966। 967। 968। 969। 970। 971। 972। 973। 974। 975। 976। 977। 978। 979। 980। 981। 982। 983। 984। 985। 986। 987। 988। 989। 990। 991। 992। 993। 994। 995। 996। 997। 998। 999। 1000।

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

२३ ... माउकरी ... २४ ... २५ ... २६ ... २७ ... २८ ... २९ ... ३० ... ३१ ... ३२ ... ३३ ... ३४ ... ३५ ... ३६ ... ३७ ... ३८ ... ३९ ... ४० ... ४१ ... ४२ ... ४३ ... ४४ ... ४५ ... ४६ ... ४७ ... ४८ ... ४९ ... ५० ... ५१ ... ५२ ... ५३ ... ५४ ... ५५ ... ५६ ... ५७ ... ५८ ... ५९ ... ६० ... ६१ ... ६२ ... ६३ ... ६४ ... ६५ ... ६६ ... ६७ ... ६८ ... ६९ ... ७० ... ७१ ... ७२ ... ७३ ... ७४ ... ७५ ... ७६ ... ७७ ... ७८ ... ७९ ... ८० ... ८१ ... ८२ ... ८३ ... ८४ ... ८५ ... ८६ ... ८७ ... ८८ ... ८९ ... ९० ... ९१ ... ९२ ... ९३ ... ९४ ... ९५ ... ९६ ... ९७ ... ९८ ... ९९ ... १०० ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

第 1 本

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

164

[illegible]

725

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रदीपिकायां श्रीकृष्णार्चनविधिनाम प्रथमोऽध्यायः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Gender	18-24	25-34	35-44	45+
Male	10%	40%	40%	10%
Female	10%	30%	40%	20%

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

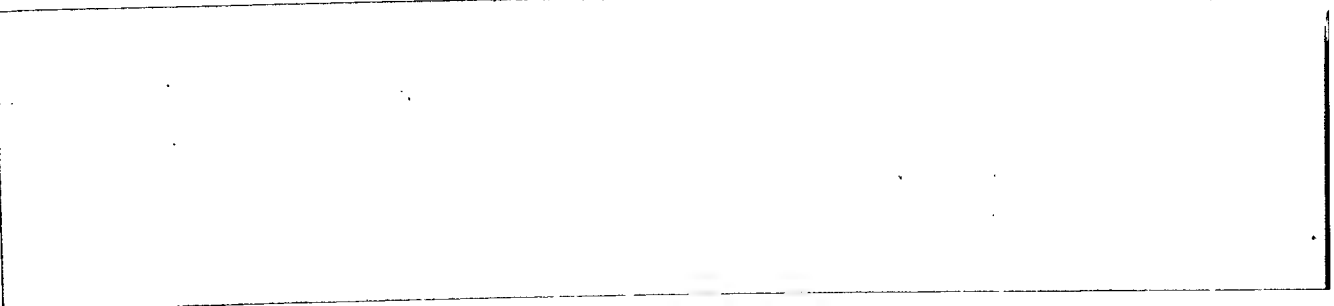
[illegible]

25

51

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ६ ॥
 श्रीशंकराय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीहरिभक्त्यै नमः ॥ ९ ॥
 श्रीकल्याणाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीसुखाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीसौख्ये नमः ॥ १२ ॥
 श्रीसन्तोषाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसन्तुष्टये नमः ॥ १४ ॥
 श्रीसन्तुष्टिभक्त्यै नमः ॥ १५ ॥
 श्रीसन्तुष्टिभक्त्यै नमः ॥ १६ ॥
 श्रीसन्तुष्टिभक्त्यै नमः ॥ १७ ॥
 श्रीसन्तुष्टिभक्त्यै नमः ॥ १८ ॥
 श्रीसन्तुष्टिभक्त्यै नमः ॥ १९ ॥
 श्रीसन्तुष्टिभक्त्यै नमः ॥ २० ॥

[illegible]

11-11-11

[illegible]

॥ सुप्रसन्नमस्तु नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]



209

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

9571

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखी चरफात सुखी-

19

[illegible]

白 页

ॐ

ॐ

। दपयपमेरयेवदेमहेनपीयनअडेदुडेकगदरेसुपपगुनसपरीठुससुमेसपुपवबुषधये॥

३५

1020

अथ यत्किञ्चिदप्युच्यते

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥२॥

॥ वन्द्यं प्रसन्नं सुखं सुखं ॥

अथर्ववेदः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འདིར་དཔལ་པ་ལོར་ལོ་བདེ་མཆོག་གི་ཕུན་མོང་འཕེན་པའི་དམའི་མཁའ་གཤམ་དུ་བཞུགས་པའི་ཁུད་སྤྱོད་ཕྱིན་པའི་ཆོས་

सायं दपरे शुक्ल द्वितीये चर्चो दपरे दशमसप्तमि दमिदपसमाद्वक दुमेसप रहु ॥ ३४ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

पञ्चमः

व्यस्यते

॥ बुद्धदत्तविरचिते बुद्धचरिते नन्दविजयस्य सप्तमोऽध्यायः ॥

पणवळेंद्रीहसकवसवरवळेंद्रुदरवा

ਘਰ ਨਾ ਘਰ ਬਾਗ਼ੀਚਾ ਪਾਏ ਪੁਰਾਣੇ

५५५

महाभारतस्य दशमोऽध्यायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

मन्त्रायाम् ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

यथापेक्षं यत्तु मया हे देवैर्दत्तं त्वया मे वरः

ममभारतस्य सप्तमोऽध्यायः

[illegible]

4

12/21/21



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

पुष्प
पुष्प
पुष्प

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

[illegible]

जसुअं प्रियं प्रियं प्रियं प्रियं

[illegible]

ལས་པ་ལ་བསམ་དེ་ཏེ་རྒྱུད་བདེན་པ་བྱུང་།

पञ्चमः अथ कृष्णस्य चतुर्थोऽङ्गः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ཡང་འདྲིན་གྱིས་རྒྱལ་བ་མཆོད་པར་མཉམ་པ་ཟེར་དོ།

गुणवृद्धये॥

[illegible][illegible]

पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महाशूरा वीर्यवान् ॥ प्राज्ञान् बभूवुः
 सन्तान्ध्यायिषां च तत्र शिष्यमात्मन इन्द्र ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणो व्युत्थितः प्रवृत्तमिव हिमम् ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महाशूरा वीर्यवान् ॥ प्राज्ञान् बभूवुः
 सन्तान्ध्यायिषां च तत्र शिष्यमात्मन इन्द्र ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणो व्युत्थितः प्रवृत्तमिव हिमम् ॥ १ ॥

200

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

དམ་པའི་གཞུང་བཅོས་མེད་དུ་བཞུགས་པའོ།

॥ अथ भुङ्क्ते सदा ये सदा ॥

मनुष्ये विद्यमानं च यत्

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

ਅਥ ਅਭਿਨੇਤਾਭਿਰਾਮਦੇਵੀਰੂਪਾਦਰਸ਼ਨੰਨਾਮਕਾਵਯੇਤਿ ॥ ੧ ॥

[illegible]

SECRET

REPORT OF THE

इ.स. १९५०-५१

प्र. १५५

白羽



ཡེ་ཤེས་ཅོད་ཅིང་རྒྱུད་པ་ལས་ལུང་ལའི་དཔའི་གཏུག་ཅིང་མཁའ་གཤམ་དཔེ་ཅོད་དཔལ་ལུང་ལྟོས་ཀྱང་ལུགས་ལོ། རྩོད་མི་ནམ་མཁའ་ཐང་ལ་མཆོད་ཤོ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

44-38861-1000

[illegible]

[illegible]

129

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ ३४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतम ॥ १ ॥

रक्षादिना कुत्रा मङ्गलम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

ਉਦਘਾਟਨਾ ਦਾ ਦੂਜਾ ਦਿਨ ਸੋਮਵਾਰ ੧੫ ਅਗਸਤ ੧੯੪੭

[illegible]

353

[illegible]



1233

३८३

SAFETY INFORMATION:

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षिणा ॥ २ ॥ अथ श्रीअर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्द्रुपदपुत्रः ।

13 7/1



॥ ॐ ॥
। वेदसुखाय ॥ ॐ ॥
॥ ॐ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

●

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

330

12 1/2



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ३७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ।
 प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ३८ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ३९ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४० ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४१ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४२ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४३ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४४ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४५ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४६ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४७ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४८ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ४९ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे । प्रदीप्य मामस्मिन् प्रह्लाद उवाच ॥ ५० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

129

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ वसंते शुभं ॥

[illegible]

[illegible]

131

[illegible]

[illegible]



༥ ཡོད་ཀྱི་སྒྲིབ་སྤངས། དུགས་ཀྱི་རྩོན་སྐབས་དང་མེས་དང་ཡེ་མེས་ཀྱི་དབང་ལྷོས་པས། བཟང་འཕྲུལ་ལ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་བསྐྱོམ་པ་ལ་དབང་ཞིང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

相 列



ॐ - ।येनैरात्रिभारक्षे अने पुअरी पुणस पुं रावे दये पदे अके नाट्टा भू री के सा अ के द पदे के व सु द प पुण स ले स पु य प पुण रे ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् ॥ अस्मिन्निमित्ते योगेन विबुधैर्दृष्टवान् ॥ तं दृष्ट्वा विशदयन् भवत्पुत्र ॥ अहं ह्यहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् ॥ अस्मिन्निमित्ते योगेन विबुधैर्दृष्टवान् ॥ तं दृष्ट्वा विशदयन् भवत्पुत्र ॥ अहं ह्यहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् ॥ अस्मिन्निमित्ते योगेन विबुधैर्दृष्टवान् ॥ तं दृष्ट्वा विशदयन् भवत्पुत्र ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः॥

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



22

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

1995-1996

[illegible]

[illegible]

29

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1

[illegible]

पुनः प्रत्यक्षं च दृष्ट्वा

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

জাতিসংঘ

[illegible]

[illegible]

Mr. Tolson

251

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

34
25
12
4
2

[illegible]

॥ १ ॥ अथ श्रुत्वा देवदत्तस्य वचनं पश्यन् सा भूक्त्या तपसा च कृतं पुण्यं संपाद्य दत्तात्रेयं ।
 पुण्यं प्राप्तुं यत्प्रयत्नं करोति तत्तुल्यं पुण्यं कुरुते इत्येतद्ब्रवीत् । अथ श्रुत्वा देवदत्तस्य वचनं
 पश्यन् सा भूक्त्या तपसा च कृतं पुण्यं संपाद्य दत्तात्रेयं । पुण्यं प्राप्तुं यत्प्रयत्नं करोति तत्तुल्यं पुण्यं कुरुते इत्येतद्ब्रवीत् ।
 अथ श्रुत्वा देवदत्तस्य वचनं पश्यन् सा भूक्त्या तपसा च कृतं पुण्यं संपाद्य दत्तात्रेयं । पुण्यं प्राप्तुं यत्प्रयत्नं करोति तत्तुल्यं पुण्यं कुरुते इत्येतद्ब्रवीत् ।

[illegible]

५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

ଉତ୍କଳ ସ୍ତ୍ରୀ ବିପ୍ଳବର ଦମ୍ଭ

134

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712
 713
 714
 715
 716
 717
 718
 719
 720
 721
 722
 723
 724
 725
 726
 727
 728
 729
 730
 731
 732
 733
 734
 735
 736
 737
 738
 739
 740
 741
 742
 743
 744
 745
 746
 747
 748
 749
 750
 751
 752
 753
 754
 755
 756
 757
 758
 759
 760
 761
 762
 763
 764
 765
 766
 767
 768
 769
 770
 771
 772
 773
 774
 775
 776
 777
 778
 779
 780
 781
 782
 783
 784
 785
 786
 787
 788
 789
 790
 791
 792
 793
 794
 795
 796
 797
 798
 799
 800
 801
 802
 803
 804
 805
 806
 807
 808
 809
 810
 811
 812
 813
 814
 815
 816
 817
 818
 819
 820
 821
 822
 823
 824
 825
 826
 827
 828
 829
 830
 831
 832
 833
 834
 835
 836
 837
 838
 839
 840
 841
 842
 843
 844
 845
 846
 847
 848
 849
 850
 851
 852
 853
 854
 855
 856
 857
 858
 859
 860
 861
 862
 863
 864
 865
 866
 867
 868
 869
 870
 871
 872
 873
 874
 875
 876
 877
 878
 879
 880
 881
 882
 883
 884
 885
 886
 887
 888
 889
 890
 891
 892
 893
 894
 895
 896
 897
 898
 899
 900
 901
 902
 903
 904
 905
 906
 907
 908
 909
 910
 911
 912
 913
 914
 915
 916
 917
 918
 919
 920
 921
 922
 923
 924
 925
 926
 927
 928
 929
 930
 931
 932
 933
 934
 935
 936
 937
 938
 939
 940
 941
 942
 943
 944
 945
 946
 947
 948
 949
 950
 951
 952
 953
 954
 955
 956
 957
 958
 959
 960
 961
 962
 963
 964
 965
 966
 967
 968
 969
 970
 971
 972
 973
 974
 975
 976
 977
 978
 979
 980
 981
 982
 983
 984
 985
 986
 987
 988
 989
 990
 991
 992
 993
 994
 995
 996
 997
 998
 999
 1000

[illegible]

உதவித் திரு. அ. சி. சிவசுப்ரமணியம்

[illegible]

[illegible]

Index

五

2

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

張氏

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

14. 14



129

[illegible]

10

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥

[illegible]

॥ २५॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous line of handwritten script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १० ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ ११ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten text.)

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डवाश्चैव ततः परः ॥ १ ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डवाश्चैव ततः परः ॥ १ ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डवाश्चैव ततः परः ॥ १ ॥

62



॥ उके पर के व सुता सुदी उपासनी देव के नगर परी के सुवृत्ति वल्लो वल्लस वल्लस ॥

16.
1.
47

[illegible]

[illegible]

48-16

[illegible]

6/7